

की पोजना भी तैयार की जाती है।"

- Stones & Morris

"Teaching Strategy is a generalized plan for a lesson which includes desired learner behaviour in term of goals, instructions and an outline of planned tactics necessary to implement strategy."

- Stones & Morris

Characteristic of Teaching Strategies:-

1. व्यूह रचना की सफलता, शिक्षक की अवसाधिक निवारण अनुभव तथा उसकी सूझ-झूझ से प्रभावित होती है।
2. व्यूह रचना का प्रभाव रासायनिक, परिस्थिति में निवारण होता है।
3. शिक्षण व्यूह रचना का स्वरूप शिक्षण आरम्भ होने से पहले निर्धारित होता है।
4. व्यूह रचना के अंतर्गत विषयों, प्रविष्टियों तथा युक्तियों का समावेश होता है।
5. शिक्षण की व्यूह रचना शिक्षक द्वारा स्वीकृति औषधियों विषयों सिफारिंगों तथा भानव स्वभाव के बरे में उसकी मापदंशों द्वारा प्रत्येक लघु करें दोनों ही रूपों में प्रभावित होती है।
6. शिक्षण सम्बन्धी व्यूह रचनाएं द्वारा कोन्ट्रोल तथा शिक्षक कोन्ट्रोल होती है।
7. शिक्षण वित्तीय, शिक्षक के विचलन से रहती है तथा यह उनमें आवश्यकतानुसार परिवर्तन नहीं सकता है।
8. शिक्षण व्यूह स्थान-स्थान तथा भावात्मक तथा क्रियात्मक तीनों प्रकार के उद्देश्यों की वापर में सहायता है।
9. शिक्षण व्यूह रचनाएं द्वारों में विंत तथा तारीके शावक

का विनास करती है।

10. शिक्षण व्युह स्थन औं शिक्षण अधिकारी ग्राम व्यवस्था की निर्देशालय, सुलभात्मक रूप स्थापात्मक रूप स्थान किया जाता है।

लाभ [Trait]:- शिक्षण की सरल, स्वलङ्घन आवधि, सचिपुर्वी, मुनोतिपूर्वी प्रयोग्यनवादी बनाने, सुलभात्मकता के विनास में रूप धारों में विश्वलेखन रूप संश्लेषण प्रबल का विनास करने में।

Types of Teaching Strategies:-

दो प्रकार की होती हैं—

(i) Autocratic Teaching Strategies.

[मुख्यनवादी व्युह स्थन]

Democratic Teaching Strategies.

[प्रजातांत्रिक शिक्षण व्युह स्थन]

Autocratic Teaching Strategies:-

मुख्यनवादी शिक्षण व्युह स्थन एं १२२५२१२१ वर्ष शिक्षण व्युह स्थन है, जो शिक्षक प्रश्न देती हैं। इन व्युह स्थन औं में विद्यार्थी का स्थान गोंग रहता है अर्थात् शिक्षक सक्रिय रूप से छात्रों की सवियों आवश्यकताओं तथा अपने हंग से छात्रों की सवियों आवश्यकताओं तथा योग्यताओं का ध्यान न रखकर छात्रों के मार्गदर्शन में छान की छुसता है अर्थात् इनमें शिक्षण व्यवस्था समृद्धि स्तर की होती है। छात्रों को शिक्षण क्रियाओं में मार्ग लेने की स्वतंत्रता नहीं होती रूप से।